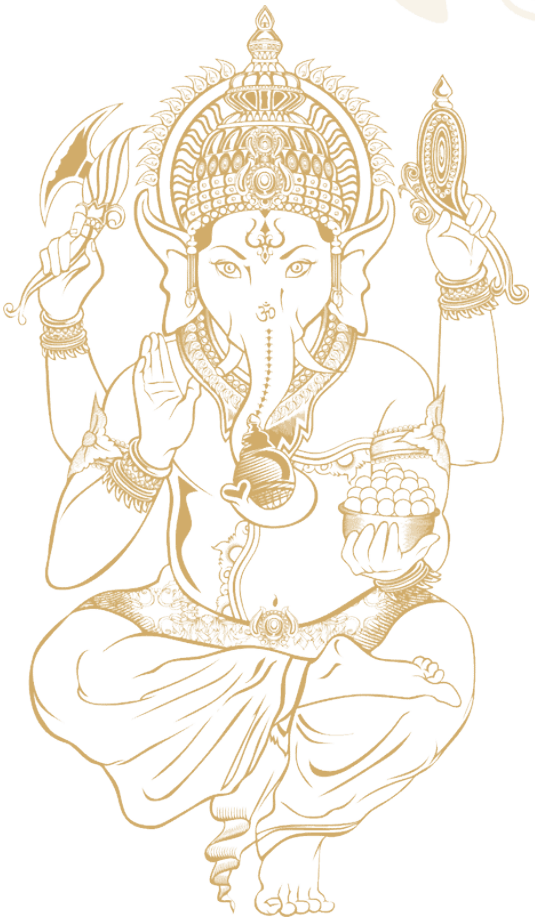

Paras Sharma

Sharma Girl Kiratpur

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121745404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/09/1993	जन्म तिथि	15-16/12/1997
शुक्रवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 18:28:00	जन्म समय	03:50:00 घंटे
घटी 30:33:23	जन्म समय(घटी)	51:15:57 घटी
India	देश	India
Moga	स्थान	Kiratpur
30:48:00 उत्तर	अक्षांश	31:11:00 उत्तर
75:10:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:20	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:38	सूर्योदय	07:14:51
18:33:51	सूर्यास्त	17:22:49
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:38

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 1वर्ष 9मा 1दि	00:33:25	मीन	लग्न	तुला	15:39:25	गुरु 12वर्ष 6मा 26दि
गुरु	00:52:26	कन्या	सूर्य	धनु	00:09:37	शनि
19/06/2020	20:59:43	कन्या	चंद्र	मिथु	22:51:24	13/07/2010
19/06/2036	29:49:47	कन्या	मंगल	मक	04:20:30	12/07/2029
गुरु 07/08/2022	16:12:48	कन्या	बुध व	धनु	03:29:44	शनि 15/07/2013
शनि 18/02/2025	24:40:37	कन्या	गुरु	मक	25:15:41	बुध 25/03/2016
बुध 26/05/2027	01:17:37	सिंह	शुक्र	मक	07:50:54	केतु 03/05/2017
केतु 01/05/2028	01:10:24	कुंभ व	शनि व	मीन	19:42:27	शुक्र 03/07/2020
शुक्र 31/12/2030	11:56:22	वृश्चि व	राहु व	सिंह	20:08:49	सूर्य 15/06/2021
सूर्य 20/10/2031	11:56:22	वृष व	केतु व	कुंभ	20:08:49	चन्द्र 14/01/2023
चन्द्र 18/02/2033	24:29:45	धनु व	हर्ष	मक	12:28:50	मंगल 23/02/2024
मंगल 24/01/2034	24:38:46	धनु व	नेप	मक	04:33:33	राहु 30/12/2026
राहु 19/06/2036	29:31:36	तुला	प्लूटो	वृश्चि	12:21:14	गुरु 12/07/2029

लग्न-चलित

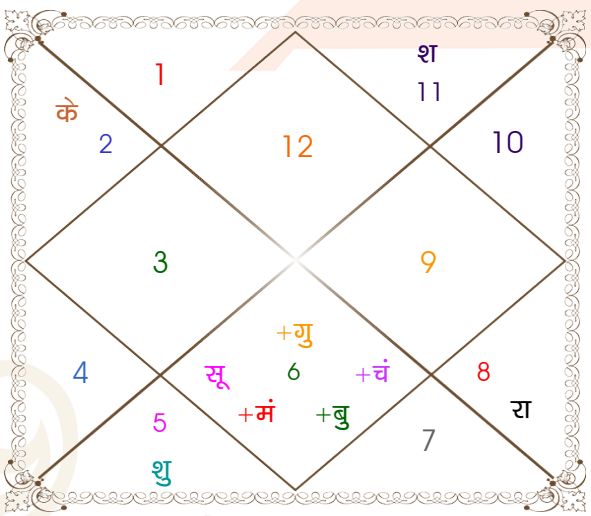

लग्न-चलित

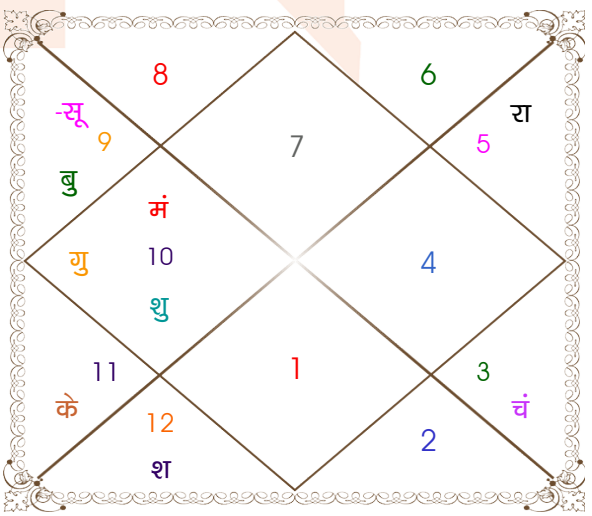

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Paras Sharma का वर्ग श्वान है तथा ौतउं ळपतस ज्ञपतंजचनत का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Paras Sharma और ौतउं ळपतस ज्ञपतंजचनत का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Paras Sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Paras Sharma कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौतउं ळपतस ज्ञपतंजचनत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ौतउं ळपतस ज्ञपतंजचनत कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरुौतउं ळपतस ज्ञपतंजचनत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौतउं ळपतस ज्ञपतंजचनत कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Paras Sharma तथाौतउं ळपतस ज्ञपतंजचनत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।